www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# संजना भारती

आपका भरोसा, हमारी ताकत

RNI No. : DELHIN/2016/70240

2 सैनिक की बुद्धि और तकनीक की शक्ति...

3 सेवा कामना वेलफेयर एंड एजुकेशनल ट्रस्ट की ओर...

4 सरकारी चिकित्सा संस्थानों में चिकित्सा...

वर्ष: 10 | अंक: 1 | दिल्ली, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

## संक्षिप्त समाचार

### 100 शहाबुद्दीन भी आ जाएं तो कुछ नहीं कर पाएंगे: अमित शाह

**बिहार (एजेन्सी)।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बिहार चुनाव में दिवंगत शहाबुद्दीन के बेटे, एक सजायाफ्ता अपराधी, को मैदान में उतारने के लिए राजद पर तीखा हमला किया और बिहार के सीवान में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, "चाहे 100 शहाबुद्दीन आ जाएँ, कोई भी आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकता।" राजद ने आगामी चुनावों के लिए सीवान के रघुनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को मैदान में उतारा है। भाजपा के शीर्ष नेता ने सीवान के लोगों को बहादुर बताया, जिन्होंने शहाबुद्दीन के आगे कभी घुटने नहीं टेके। अमित शाह ने कहा कि 20 सालों से, ए-श्रेणी का हिस्ट्रीशीटर शहाबुद्दीन, जिसके खिलाफ लगभग 75 मुकदमे, दो बार जेल की सजा, तिहरे हत्याकांड, एक एसपी पर हमला...उसने एक व्यवसायी के बेटों को तेजाब में तब तक नहलाया जब तक उनकी खाल नहीं उतर गई। सीवान के बहादुर लोगों ने शहाबुद्दीन के आगे कभी घुटने नहीं टेके। शहाबुद्दीन के बेटे को खुद लालू प्रसाद यादव ने रघुनाथपुर से टिकट दिया है। अब, नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी के राज में, चाहे 100 शहाबुद्दीन आ जाएँ, कोई आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

### कुरनूल बस अग्निकांड में 20 की मौत, कई लोगों ने कूदकर बचाई जान

**आंध्र प्रदेश (एजेन्सी)।** आंध्र प्रदेश के कुरनूल ज़िले के चिन्नातेकुर के पास शुक्रवार सुबह एक निजी ट्रैवल बस में एक दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई, जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। इनमें से 18 यात्रियों की जीवित पहचान हो गई है। पुलिस ने बताया कि कई शव पूरी तरह से जल चुके थे, जिससे पहचान मुश्किल हो रही थी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह घटना तड़के लगभग 3:30 बजे हुई। बस और दोपहिया वाहन की टक्कर के बाद भीषण आग लग गई जिसने देखते ही देखते पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग पहले बस के अगले हिस्से में लगी और फिर तेजी से फैल गई। जैसे-जैसे आग बढ़ती गई, 12 यात्री आपातकालीन द्वार तोड़कर किसी तरह बच निकले और मामूली रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए कुरनूल सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

### प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रोजगार मेले को किया संबोधित

# युवा कर्मयोगी विकसित भारत की ओर यात्रा में अग्रणी भूमिका निभाएंगे: प्रधानमंत्री मोदी

**संजना भारती/पीआईबी**

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोजगार मेले को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि इस वर्ष का प्रकाश पर्व दिवाली, सभी के जीवन में नई रोशनी लेकर आया है। त्योहारों के बीच स्थायी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र मिलने से त्योहार की प्रसन्नता और रोजगार की सफलता-दोनों की खुशी मिलती है। श्री मोदी ने बताया कि यह प्रसन्नता आज देश भर के 51,000 से अधिक युवाओं को प्राप्त हुई है। प्रधानमंत्री ने उनके परिवारों को इससे मिलने वाली असीम प्रसन्नता की बात की और नियुक्ति पाने वाले सभी युवकों और उनके परिवार के सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने उनके जीवन की इस नई शुरूआत के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्री मोदी ने नवनियुक्त युवाओं में उत्साह, कड़ी मेहनत की क्षमता और पूरे हुए सपनों से उपजे आत्मविश्वास को रेखांकित करते हुए कहा कि जब यह भावना राष्ट्र सेवा के जुनून के साथ जुड़ जाती है, तो उनकी सफलता व्यक्तिगत उपलब्धि से बढ़कर देश की सफलता बन जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की नियुक्तियां केवल सरकारी नौकरियां नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के अवसर हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नियुक्त व्यक्ति निष्ठा और ईमानदारी से काम करेंगे और भारत के भविष्य के लिए बेहतर व्यवस्थाएं बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने नवनियुक्त लोगों से 'नागरिक देवो भव' के मंत्र को न भूलने और सेवा व समर्पण की भावना को कायम रखते हुए काम करने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने कहा, "पिछले 11 वर्षों से राष्ट्र एक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है और इस यात्रा में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युवा सशक्तिकरण उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि रोजगार मेले युवा भारतीयों की आकांक्षाओं को पूरा करने का एक सशक्त माध्यम बन गए हैं और हाल के दिनों में इन मेलों के माध्यम से 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। श्री मोदी ने कहा कि ये प्रयास केवल सरकारी नौकरियों तक ही सीमित नहीं हैं। सरकार ने साढ़े तीन करोड़ युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लक्ष्य के साथ 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' आरंभ की है। उन्होंने कहा कि कौशल भारत मिशन जैसी पहल युवाओं को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान कर रही है, जबकि राष्ट्रीय करियर सेवा जैसे मंच नए अवसरों से जोड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस मंच के माध्यम से 7 करोड़ से अधिक रिक्तियों की जानकारी युवाओं के साथ साझा की जा चुकी है।

प्रधानमंत्री ने युवाओं के लिए एक बड़ी पहल- 'प्रतिभा सेतु पोर्टल' की घोषणा की, जो उन उम्मीदवारों को अवसर प्रदान करता है जो संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की अंतिम सूची में तो पहुंच गए थे, लेकिन चयनित नहीं हुए। उन्होंने बल देकर कहा कि उनके प्रयास व्यर्थ नहीं जाएंगे, क्योंकि निजी और सार्वजनिक दोनों संस्थान अब इस पोर्टल के माध्यम से इन प्रतिभाशाली व्यक्तियों से जुड़ रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि युवा प्रतिभाओं का यह अधिकतम उपयोग विश्व को भारत की युवा क्षमता का प्रदर्शन कराएगा।

श्री मोदी ने यह रेखांकित करते हुए कि जीएसटी बचत उत्सव ने त्योहारों के मौसम को समृद्ध बनाया है, देश भर में जीएसटी दरों में कटौती जैसे महत्वपूर्ण सुधारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन सुधारों का प्रभाव उपभोक्ता बचत से कहीं अधिक है, क्योंकि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार रोजगार के अवसरों का भी विस्तार कर रहे हैं। जब रोजमर्रा की वस्तुएं सस्ती होती हैं, तो मांग बढ़ती है; मांग बढ़ने से उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला में तेजी आती है; और कारखानों में उत्पादन बढ़ने से रोजगार के नए अवसर सृजित होते हैं।

# इस बार छठमय होने को तैयार राजधानी दिल्ली: रेखा गुप्ता

**मुख्यमंत्री ने पोचनपुर में छठ पूजा घाट का निरीक्षण कर श्रमदान किया**

**संजना भारती/संजय कुमार**

**नई दिल्ली।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने द्वारका सेक्टर-23बी स्थित पोचनपुर छठ पूजा समिति के घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने घाट पर चल रही तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री का स्पष्ट कहना है कि छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

इस कार्यक्रम में स्थानीय विधायक संदीप सहरावत, छठ पूजा समिति के सदस्य एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से छठ महापर्व की तैयारियाँ अब अंतिम चरण में हैं। यमुना तट पर 17 मॉडल छठ घाटों का निर्माण किया जा रहा है, साथ ही पूरी दिल्ली में 1000 से अधिक छठ स्थलों पर समितियों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सरकार सभी आवश्यक सुविधाएं जैसे टेंट, बिजली, स्वच्छता, शौचालय, सुरक्षा और पेयजल उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि यमुना किनारे बनाए जा रहे मॉडल घाटों पर इस बार की छठ पूजा का दृश्य अभूतपूर्व, भव्य और दिव्य होगा। श्रद्धा और सुविधा के संगम से पूरी दिल्ली ह्लछठमयह्व दिखाई देगी। यह पहली बार है जब दिल्ली में इतने व्यापक स्तर पर सरकार द्वारा छठ पर्व का आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर स्थानीय निवासियों एवं छठ पूजा समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री का हार्दिक स्वागत और सम्मान किया तथा छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर दिल्ली सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने भी उपस्थित नागरिकों से आत्मीय संवाद किया और उनके सुझावों एवं आवश्यकताओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व केवल आस्था का नहीं, बल्कि सामाजिक एकजुटता और सहयोग का प्रतीक है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक श्रद्धालु को स्वच्छ, सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण प्राप्त हो।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं घाट की रंगाई-पुताई के कार्य में श्रमदान किया, जिससे स्थानीय लोगों में उत्साह और प्रेरणा का वातावरण बना।

# रेलवे छठ पूजा के बाद यात्रियों की वापसी यात्रा को सुगम बनाने के लिए तैयार

**मुख्य स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया, बड़ी संख्या में टिकट काउंटर यात्रियों की सुविधा के लिए किए गए हैं स्थापित**

**संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा**

**गोरखपुर।** भारतीय रेल यात्रियों की त्योहारों की यात्रा को सुगम और आरामदायक बनाने के लिए देशभर में 12,000 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चला रही है। भारी त्योहारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए, प्रमुख स्टेशनों जैसे नई दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल, उधना, पुणे, मुंबई, बेंगलुरु, गोरखपुर, छपरा, सीवान बनारस, बलिया आदि पर सभी यात्री सुविधाओं से युक्त होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। रेलवे कर्मचारी चैबीसों घंटे यात्रियों का मार्गदर्शन करने, व्यवस्था बनाए रखने और सभी को सुरक्षित रूप से अपने घर तक पहुँचाने में जुटे हैं ताकि वे अपने परिजनों के साथ त्योहार मना सकें।

अब भारतीय रेल छठ पूजा के बाद यात्रियों की सुरक्षित और आरामदायक वापसी यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। 28 अक्टूबर से नवंबर माह के दौरान यात्रियों की वापसी यात्रा को सुगम बनाने के लिए 6181 स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जिससे लोग अपने कार्यस्थलों पर समय पर लौट सकें।

बढ़ती मांग को देखते हुए नियमित ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी जोड़े जा रहे हैं। प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया को मौसमरोधी बनाया गया है ताकि यात्रियों को ट्रेनों के प्रस्थान से पहले सुविधाजनक प्रतीक्षा स्थल मिल सके। बिहार के पटना, दानापुर, राजेंद्र नगर टर्मिनल, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गया, समस्तीपुर, बरौनी आदि तथा उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, बलिया और बनारस जैसे स्टेशनों पर ये व्यवस्थाएं की गई हैं। गोरखपुर जं. स्टेशन पर (लगभग 2500 वर्ग मीटर) में 05, छपरा जं. स्टेशन पर (लगभग 600 वर्ग मीटर) में 02, सीवान स्टेशन पर (लगभग 450 वर्ग मीटर) में 02, बलिया स्टेशन पर 200 वर्ग मीटर एवं बनारस स्टेशन पर 190 वर्ग मीटर में 01-01 होल्डिंग एरिया बनाए गये है।

इसके अतिरिक्त, यात्रियों की सुविधा के लिए ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन, पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम काउंटर और मोबाइल अनरिजर्व्ड टिकटिंग सुविधाओं को भी बढ़ाया गया है। इसके अतिरिक्त अभिनव पहल के अन्तर्गत गोरखपुर जं. स्टेशन पर 10, छपरा जं. स्टेशन पर 08, सीवान जं. स्टेशन पर 07, बनारस स्टेशन पर 03 तथा बलिया स्टेशन पर 02 मोबाइल यू.टी.एस. का भी उपयोग किया जा रहा है। सुरक्षा और संचालन की सुचारू व्यवस्था के लिए रेलवे सुरक्षा बल को पर्याप्त संख्या में तैनात किया गया है। यात्री सहायता बूथ, सूचना काउंटर, कतार प्रबंधन प्रणाली और पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम को भी और सशक्त किया गया है। प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और सैनिटेशन सुविधाओं की लगातार निगरानी की जा रही है।

रेल भवन, जोनल और मंडल स्तर पर समर्पित वार रूम 24X7 कार्यरत हैं ताकि संचालन की वास्तविक समय में निगरानी की जा सके और यात्रियों की किसी भी आवश्यकता पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, गया, सहरसा, गोरखपुर आदि स्टेशनों पर 24X7 मेडिकल बूथ स्थापित किए गए हैं ताकि किसी भी स्वास्थ्य आपात स्थिति में तत्काल सहायता दी जा सके। राज्य सरकार, अग्निशमन विभाग और एंबुलेंस सेवाओं के साथ समन्वय स्थापित कर आपातकालीन सेवाओं को तत्पर रखा गया है।

भारतीय रेल यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय और आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस त्योहारी सीजन में समर्पण और सेवा भाव के साथ राष्ट्र की सेवा में तत्पर है।

### छठ पर्व पर सोमवार को सरकारी अवकाश रहेगा: रेखा गुप्ता

**संजना भारती संवाददाता**

**नई दिल्ली।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की है कि छठ पर्व के अवसर पर सोमवार 27 अक्टूबर को सरकारी अवकाश रहेगा। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि इस पर्व पर सोमवार को इसलिए अवकाश किया जा रहा है, क्योंकि चार दिन के इस पर्व के तीसरे दिन व्रती सूर्यास्त के समय नदी या तालाब के किनारे जाकर अस्तगामी सूर्य देव को अर्घ्य देते हैं। यह छठ पूजा का सबसे महत्वपूर्ण दिन होता है। इस दिन सुबह से ही तैयारी शुरू हो जाती है और पूरा परिवार किसी ने किसी कार्य को पूरा करने में लगा रहता है। मुख्यमंत्री के अनुसार इसी तथ्य को ध्यान में सरकार ने सोमवार 27 अक्टूबर को सार्वजनिक अवकाश किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस पर्व को लेकर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी ओर कहा है कि छठ व्रत प्रकृति को समर्पित पर्व है, जिसमें सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा होती है।

# औषधियों की गुणवत्ता सर्वोपरि, नियंत्रण तंत्र को बनाएं सुदृढ़ और प्रभावी: योगी आदित्यनाथ

**औषधि नियंत्रण संवर्ग का होगा पुनर्गठन, उपायुक्त (औषधि) के पद भी बढ़ेंगे**

**संजना भारती संवाददाता**

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से औषधि नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने पर बल दिया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिलास्तर पर कार्य व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए अब जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी का पद सृजित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि औषधि निरीक्षकों की संख्या को वर्तमान के सापेक्ष दोगुना किया जाए। इन पदों पर चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए अब साक्षात्कार के स्थान पर लिखित परीक्षा के माध्यम से भर्ती कराई जाएगी। मुख्यमंत्री शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन एवं नए पदों के सृजन से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों में

औषधि निरीक्षकों की समुचित तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा जिला स्तर पर प्रभावी पर्यवेक्षण और समयबद्ध जांच व्यवस्था लागू की जाए। बैठक में बताया गया कि विभाग में वर्तमान में 109 औषधि निरीक्षक कार्यरत हैं, जो भारत सरकार के मानकों की दृष्टि से अपर्याप्त हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में औषधि निरीक्षण व्यवस्था को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना जनस्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है।

बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के उच्च पदों के पुनर्गठन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने उप आयुक्त (औषधि) पदों की संख्या में वृद्धि तथा संयुक्त आयुक्त (औषधि) के पद पर पदोन्नति हेतु अर्हकारी सेवा में संशोधन के प्रस्ताव को अपनी सहमति दी। मुख्यमंत्री ने विभाग में औषधि नियंत्रक पद के लिए स्पष्ट योग्यताएं एवं मानक तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस पद के लिए एक निश्चित कार्यकाल निर्धारित किया जाए, ताकि तंत्र के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

# पंजाब के मंत्रियों ने महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों से भेंटकर दिया निमंत्रण

**संजना भारती संवाददाता**

**चंडीगढ़।** श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए पंजाब सरकार की ओर से देशभर के मुख्यमंत्रियों को औपचारिक रूप से आमंत्रण देने की प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में पंजाब के कैबिनेट मंत्रियों ने विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भेंट की। कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों के सलाहकार दीपक बाली के साथ मिलकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को आगामी स्मृति समारोहों में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण सौंपा।

इसी दौरान कैबिनेट मंत्री डॉ. बलबीर सिंह और हरदीप सिंह मुंडियां ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर उन्हें श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी की 350वीं शहादत के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे समारोहों में शामिल होने का आमंत्रण दिया। इसके अतिरिक्त, कैबिनेट मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात कर उन्हें श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर आयोजित स्मृति कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

ये मुलाकातें पंजाब सरकार की उस पहल का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य हिंद की चादर नवें सिख गुरु श्री गुरु तेग बहादर जी की अमर शहादत की याद में पंजाब में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक कार्यक्रमों में देशभर की व्यापक भागीदारी को सुनिश्चित करना है।

# छठ पर्व का अब तक का सबसे भव्य आयोजन होगा पूरी दिल्ली में: मंत्री रविन्द्र इन्द्राज

**रविन्द्र इन्द्राज ने छठ घाट निर्माण में किया श्रमदान**

**संजना भारती संवाददाता**

**नई दिल्ली।** दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री एवं उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के प्रभारी रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने बवाना विधानसभा में बेगमपुर के भरत विहार घाट, शाहबाद डेयरी के पंच मंदिर घाट और रोहिणी के पंसाली घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों तथा स्थानीय निवासियों के साथ स्थल पर चल रहे कार्यों की समीक्षा की और श्रमदान भी किया। समाज कल्याण मंत्री ने सफाई कर्मचारियों के साथ स्वच्छता कार्य करने के साथ ही श्रमिकों के साथ घाटों के निर्माण कार्यों में भी सहभागिता की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार छठी मईया के पूजन, लोक आस्था के सम्मान और भक्ति के लिए भव्य और दिव्य आयोजन करेगी।

श्री इन्द्राज ने कहा कि मॉडल घाटों और सांस्कृतिक आयोजनों से दिल्ली में नई परम्परा की शुरूआत हो रही है। पूरी दिल्ली अब तक के सबसे भव्य आयोजन के लिए तैयार हो रही है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा, नवरात्रि, दशहरा और दीपावली के भव्य आयोजन के बाद अब छठ महापर्व का भव्य आयोजन होने जा रहा है।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में उपेक्षा का शिकार रहे छठ घाटों का कायाकल्प किया जा रहा है। छठ व्रतियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए इस वर्ष व्यापक तैयारियां की गई हैं। श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए भव्य स्वागत द्वारों पर पुष्पवर्षा की तैयारी है। पिछले वर्ष जहां करीब 900 घाटों पर पूजा हुई थी, इस वर्ष यमुना तट के अलावा दिल्ली में करीब 1300 अन्य स्थलों पर छठ पूजा का आयोजन किया जाएगा। यमुना तट पर 17 भव्य मॉडल घाट होंगे वहीं दिल्ली में हर सब डिवीजन के स्तर पर भी मॉडल छठ घाट तैयार किया जा रहा है। करीब 200 घाटों पर भोजपुरी और मैथिली में धार्मिक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ होंगी। सभी घाटों पर टेंट, बिजली, स्वच्छता, पेयजल, मोबाइल शौचालय, सफाईकर्मी और चिकित्सा वैन की व्यवस्था की जा रही है। श्री इन्द्राज ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में यमुना किनारे छठ पूजा पर प्रतिबंध लगा था और पूजा करने वालों के खिलाफ मुकदमे होते थे।

# राजनाथ का पाक को कड़ा संदेश: दुस्साहस किया तो देंगे करारा जवाब

**जैसलमेर (एजेन्सी)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को जैसलमेर के लोंगेवाला के पास तनोट माता मंदिर का दौरा किया और पूजनीय मंदिर में श्रद्धांजलि अर्पित की। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान पाकिस्तान द्वारा श्री तनोट राय माता मंदिर परिसर पर गिराए गए बिना फटे बमों को देखा, जो उल्लेखनीय रूप से फटे नहीं थे। यात्रा के बाद, सिंह ने लोंगेवाला सीमा पर चल रहे थार शक्ति अभ्यास का अवलोकन किया। राजस्थान अभ्यास थार शक्ति एक भारतीय सेना का अभ्यास है जो रेगिस्तानी इलाकों में भूमि-आधारित युद्ध पर केंद्रित है। गुरुवार को, सिंह ने जैसलमेर में शौर्य वन का उद्घाटन किया, जिसके बाद उन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध संग्रहालय का भी दौरा किया।

# सम्पादकीय

## बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन?

**बिहार** विधानसभा चुनाव 2025 के तहत चुनाव प्रचार की रफ्तार जैसे-जैसे तेज होती जा रही है, मतदाताओं की खामोशी देख गठबंधन दल के साथी अपने अपने नए-नए सियासी पत्ते खोल रहे हैं! जानकार बताते हैं कि आगामी 6 और 11 नवंबर को 243 सीटों के लिए यहां मतदान होगा। जहां पर एनडीए के घटक दलों, इंडिया महागठबंधन के साथी दलों और अकेली जनसुराज पार्टी के बीच त्रिकोणात्मक मुकाबले होने के आसार प्रबल हैं। खास बात यह है कि दोनों महत्वपूर्ण गठबंधन ने अपने अपने मुख्यमंत्री को लेकर जो सस्पेंस बरकरार रखा था, उसमें से इंडिया गठबंधन के मुख्यमंत्री के रूप में राजद नेता तेजस्वी यादव, पूर्व मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान होते ही राजद-कांग्रेस के अंदरूनी कलह का पटाक्षेप हो गया है। वहीं, एनडीए का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इस बात का जनता के बीच खुलासा करना के नैतिक दबाव भाजपा-जदयू पर बढ़ गया है। हालांकि इसके अपने नफा-नुकसान भी हैं। इसलिए मशहूर सियासी रणनीतिकार व केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के अगले कदम पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। सवाल है कि एक ओर जहां सत्ताधारी एनडीए गठबंधन ने अपने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के नाम का ऐलान करने से परहेज किया है, वहीं मुख्य विपक्षी इंडिया गठबंधन ने अपने मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री के नाम का ऐलान बजाप्ता एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कर दिया है। लेकिन ऐसा करने से कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लवरु की भारी फजीहत हुई है। जिस तरह से राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भेजकर यह घोषणा कराई गई, वह पार्टी के नेताओं की कमजोरियों को स्पष्ट कर दिया है, जबकि राजद नेता तेजस्वी यादव की यह पहली जीत है। वहीं, कथित कांग्रेस नेता और पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को खुला ऑफर दिया है, उससे भाजपा रणनीतिकारों की परेशानियों का ठिकाना नहीं है। अब वो नीतीश कुमार को भावी मुख्यमंत्री घोषित करें या न करें, लेकिन नीतीश कुमार को दिल से चाहने वाले लोग यदि भाजपा, लोजपा, हम, रालोमो की बजाए कांग्रेस को वोट कर दिए या राजद को वोट कर दिए या इंडिया गठबंधन के अन्य उम्मीदवार को वोट कर दिए तो भाजपा की सारी रणनीति फेल हो जाएगी। ऐसा लोग इसलिए बता रहे हैं कि नीतीश कुमार और उनके करीबी लोग भाजपा-लोजपा से 2020 के भितरघात का बदला अवश्य लेंगे, अन्यथा जदयू का सियासी हनक समाप्त हो जाएगा। बिहार के सियासी हल्के में कहा भी जाता है कि राजनीति के चाणक्य नीतीश कुमार की अंतड़ी में दांत है, जिसमें बड़े-बड़े सुरमा भोपाली नेता पीस चुके हैं।

## मैं दीपावली उस दिन मनाऊंगा जिस दिन...

**लोगों** ने मुझसे पूछा अमन भाई आज आप ने दीपावली क्यों नहीं मनाई, मैं बोला जिस दिन न्यूज पेपर में यह खबर छप जाएगी की अनाज और सब्जियों के दाम कम हो गए है मैं उस दिन दीवाली मनाऊंगा, जिस दिन कोई भी व्यक्ति फुटपाथ पर भूखा नहीं सोयेगा मैं उस दिन दीवाली मनाऊंगा।

जिस दिन देश में बेरोजगारी खत्म होगी मैं उस दिन दीवाली मनाऊंगा, जिस दिन देश में बलात्कारी दोषियों को खुले आम फांसी की सजा होगी मैं उस दिन दीवाली मनाऊंगा। जिस दिन सभी अच्छी स्वास्थ्य सेवा, अच्छी शिक्षा, अच्छा रोजगार, मिलेगा मैं उस दिन दीवाली मनाऊंगा, जिस दिन देश में एक भी वृद्धाश्रम नहीं होगा मैं उस दिन दीवाली मनाऊंगा।

मैं उस दिन दीवाली मनाऊंगा जिस दिन देश में महंगाई कम होगा।

जिस दिन देश में हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई मंदिर मस्जिद के नाम पर झगड़ा बंद होगा मैं उस दिन दीवाली मनाऊंगा।

जिस दिन देश में भ्रष्टाचार फैलाने वाले नेता हिन्दू मुस्लिम के नाम पर लड़वाने लोगों को सजा मिलेगी मैं उस दिन दीवाली मनाऊंगा।

जिस दिन देश में किसानों को अच्छी आय मिलेगी और देश के वीर जवान और तिरंगे का सम्मान होगा मैं उस दिन दीवाली मनाऊंगा।

जिस दिन विदेशों में जमा किया हुआ काला धन देश में वापस आएगा मैं उस दिन दीवाली मनाऊंगा।

जिस दिन देश में माता पिता का सम्मान होगा ताकि उन्हें दर दर भटकाना न पड़े किसी भी प्रकार की कोई पीड़ा न झेलना पड़े मैं उस दिन दीवाली मनाऊंगा, जिस दिन देश में नारीशक्ति का सम्मान होगा मैं उस दिन दीवाली मनाऊंगा।

जिस दिन देश में दहेज के लिए बहन बेटियों को आग में न जलाना पड़े मैं उस दिन दीवाली मनाऊंगा, जिस दिन देश में राम अल्लाह के नाम पर वोट मांगना बंद होगा मैं उस दिन दीवाली मनाऊंगा।



जिस दिन हर कोई इंसानियत के लिए जियेगा इंसानियत के लिए मरेगा मैं उस दिन दीवाली मनाऊंगा, इंसानियत से बड़ा कोई धर्म कोई जात पात नहीं है इसलिए इंसानियत के लिए जीना सीखो आग लगाने वाले गद्दार नेताओं के लिए नहीं।

-अमन रंगेला 'अमन' सनातनी

## जयंती

**घनश्याम भाई ओझा**

जन्म-25 अक्टूबर, 1911; मृत्यु-12 जुलाई, 2002, अहमदाबाद, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ और गुजरात के भूतपूर्व चौथे मुख्यमंत्री थे। वह 17 मार्च, 1972 से 17 जुलाई, 1973 तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे।

## पुण्यतिथि

**निर्मल वर्मा**

जन्म: 3 अप्रैल, 1929; मृत्यु: 25 अक्टूबर, 2005, हिन्दी के आधुनिक साहित्यकारों में से एक थे। हिन्दी साहित्य में नई कहानी आंदोलन के प्रमुख ध्वजवाहक निर्मल वर्मा का कहानी में आधुनिकता का बोध लाने वाले कहानीकारों में अग्रणी स्थान है। 'रात का रिपोर्टर', 'एक चिथड़ा सुख', 'लाल टीन की छत' और 'वे दिन' निर्मल वर्मा के चर्चित उपन्यास हैं। उनका अंतिम उपन्यास 'अंतिम अरण्य' 1990 में प्रकाशित हुआ था। उनकी सौ से अधिक कहानियाँ कई कहानी संग्रहों में प्रकाशित हुई हैं।

## कल मिलेंगे

पति छत पर जाने के लिए तीन-चार सीढ़ी चढ़ा ही था
**तभी पत्नी बोली**-कहां जा रहे हो?
**पति**-चिड़िया को दाना देने
**पत्नी**-तुम्हारी चिड़िया सात दिन के लिए मायके गई है
नीचे आ जाओ…..

## संजना भारती दैनिक

**भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।**

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
**RNI No. : DELHIN/2016/70240**
**Phone No.: 9871221635**
**E-mail ID:** sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

# सैनिक की बुद्धि और तकनीक की शक्ति मिलाकर भारत ने तैयार की निर्णायक रक्षा क्षमता

बदलती युद्धभूमि का यह रूप भारत के सैन्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रतीक है। जहां कभी बूट्स ऑन ग्राउंड की अवधारणा पर्याप्त मानी जाती थी, वहीं आज ब्रेन इन स्काई यानी तकनीकी दृष्टि से लैस बुद्धिमान सैनिक ही निर्णायक साबित होंगे। भारत ने इस दिशा में जो ठोस कदम उठाए हैं, वे केवल सीमाओं की सुरक्षा नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन में अपनी सक्रिय भूमिका का भी संकेत हैं

-नीरज कुमार दुबे

**21वीं** सदी के युद्ध अब केवल बंदूकों और तोपों की ताकत से नहीं, बल्कि तकनीक, गति और सटीकता से तय हो रहे हैं। ड्रोन, स्मार्ट हथियार, सॉफ्टवेयर-आधारित रेडियो और सैटेलाइट निगरानी जैसे साधन अब आधुनिक युद्ध का चेहरा बदल रहे हैं। इसी दिशा में भारत ने दो बड़े कदम उठाए हैं-**पहला**, थलसेना के पैदल सैनिकों का तेजी से आधुनिकीकरण और **दूसरा**-रक्षा मंत्रालय की ओर से 79,000 करोड़ रुपये की नई रक्षा खरीद को मंजूरी। ये दोनों फैसले मिलकर भारत की सामरिक दिशा और उसकी सुरक्षा नीति का नया चेहरा पेश करते हैं।

भारतीय थलसेना, जो 11.5 लाख जवानों की सबसे बड़ी शाखा है, लंबे समय से आधुनिक उपकरणों की कमी से जूझ रही थी। अब सेना इन 382 इन्फैंट्री बटालियनों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने में जुटी है। इसमें नए स्नाइपर राइफल्स, मशीनगन, कार्बाइन, टैंक-रोधी मिसाइलें, और सॉफ्टवेयर-डिफाइंड रेडियो सिस्टम शामिल हैं। साथ ही, सेना ने भैरव नाम से नई लाइट कमांडो इकाइयाँ और आशनी नाम से ड्रोन प्लाटून भी खड़ी की हैं। यह बदलाव दिखाता है कि भारत अब अपनी पारंपरिक सैन्य क्षमता को टेक्नोलॉजी से जोड़कर एक नई शक्ति-संतुलन रचना चाहता है। थलसेना के इन्फैंट्री प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार ने हाल ही में कहा कि अब ध्यान 'lethality, mobility, transparency और survivability' पर है। इसका सीधा मतलब है कि अब हर पैदल सैनिक को एक weapon system के रूप में देखा जा रहा है यानी सैनिक केवल आदेश पालन करने वाला नहीं, बल्कि एक सशक्त डिजिटल योद्धा है। शूट-टू-किल की नई रणनीति के साथ 7.62 मिमी की राइफलें और .338 स्नाइपर राइफलें सेना के हाथ में दी जा रही हैं। यह बदलाव केवल हथियारों का नहीं, बल्कि मानसिकता का भी संकेत है कि अब भारतीय सेना प्रतिरोध नहीं, निर्णायक आक्रमण की सोच रखती है।

दूसरी ओर, रक्षा मंत्रालय ने हाल ही में 79,000 करोड़ रुपये की रक्षा खरीद योजनाओं को मंजूरी दी है। इसमें थलसेना के लिए Nag Missile System (NAMIS Mk-II), Ground-Based Mobile ELINT System, और High Mobility Vehicles शामिल हैं। नौसेना के लिए Landing Platform Docks, Naval Surface Guns, और Advanced Light Weight Torpedoes, जबकि वायुसेना के लिए Long Range Target Destruction Systems जैसी परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। यह सभी परियोजनाएँ मिलकर भारत की तीनों सेनाओं को आधुनिक युद्ध के हर मोर्चे पर सक्षम बनाने जा रही हैं।

इस रक्षा खरीद की एक बड़ी विशेषता यह है कि इसका अधिकांश भाग मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के तहत स्वदेशी उत्पादन पर आधारित है।

भारत न केवल आयात पर निर्भरता घटा रहा है, बल्कि अब खुद रक्षा उत्पादन का केंद्र बनने की ओर बढ़ रहा है। Bharat Forge, Adani Defence-Israel JV जैसे साझेदार इस दिशा में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इससे न केवल घरेलू रक्षा उद्योग को बल मिलेगा, बल्कि भारत वैश्विक रक्षा बाजार में भी प्रतिस्पर्धी स्थिति हासिल कर सकेगा।

अब सवाल है कि इन निर्णयों का सामरिक अर्थ क्या है? देखा जाये तो सबसे पहले, यह कदम भारत के लिए द्वि-मोर्चा सुरक्षा तैयारी को मजबूत करता है। चीन और पाकिस्तान दोनों से एक साथ संभावित चुनौती की स्थिति में अब भारतीय सेना के पास तेज और निर्णायक प्रतिक्रिया की क्षमता होगी। **दूसरा**-ड्रोन, एंटी-टैंक मिसाइल और डिजिटल नेटवर्क जैसी तकनीकें सीमित सैनिक बल से भी अधिकतम प्रभाव पैदा कर सकती हैं। **तीसरा**-यह कदम भारत को वैश्विक सुरक्षा भागीदारों के बीच एक टेक्नोलॉजिकल मिलिट्री पॉवर के रूप में स्थापित करता है।

सामरिक दृष्टि से यह आधुनिकीकरण दक्षिण एशिया में शक्ति-संतुलन को भी बदल सकता है। जहां चीन अपनी सेना को AI वॉरफेयर और स्वायत्त हथियारों से लैस कर रहा है, वहीं भारत ने एक व्यावहारिक रणनीति अपनाई है-मानव और मशीन का संयोजन। भारत न तो पूरी तरह स्वचालित युद्ध की ओर भाग रहा है, न ही पारंपरिक सोच में अटका हुआ है। वह एक संतुलित मॉडल बना रहा है, जिसमें सैनिक की बुद्धि और तकनीक की शक्ति मिलकर निर्णायक क्षमता तैयार करती है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत के यह कदम केवल रक्षात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक संकेत भी हैं। जब भारत सीमाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया, हाइब्रिड वॉरफेयर और इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस के लिए नए सिस्टम तैयार कर रहा है, तो यह केवल किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए संदेश है कि दक्षिण एशिया में अब भारत 'Security Provider' की भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

कुल मिलाकर देखें तो बदलती युद्धभूमि का यह रूप भारत के सैन्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रतीक है। जहां कभी बूट्स ऑन ग्राउंड की अवधारणा पर्याप्त मानी जाती थी, वहीं आज ब्रेन इन स्काई यानी तकनीकी दृष्टि से लैस बुद्धिमान सैनिक ही निर्णायक साबित होंगे। भारत ने इस दिशा में जो ठोस कदम उठाए हैं, वे केवल सीमाओं की सुरक्षा नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन में अपनी सक्रिय भूमिका का भी संकेत हैं।

नई सदी के इस दौर में जब ड्रोन हवा में और डेटा युद्ध के मैदान में निर्णायक बन चुका है तब भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह केवल दर्शक नहीं, बल्कि इस बदलती युद्धभूमि का रणनीतिक खिलाड़ी है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

# बिहार चुनावः मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति

बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया

-ललित गर्ग

**बिहार** में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। हर दल अपने-अपने घोषणापत्र, नारों और वादों के साथ जनता को लुभाने में जुटा है। मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है-जनता के असली मुद्दों की आवाज। राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं, दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वास्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं?

बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुनः स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है।

वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दें समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं।

ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आजाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर स्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं। पर हमने अपने आप को, अपने भारत को, अपने बिहार को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को नहीं पहचाना। नियति भी एक विसंगति का खेल खेल रही है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी पाने वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? पहले नेता के लिए श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, हमने 15 गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। बिहार इस नियति से कब मुक्त होगा, यही इस चुनावों में विमर्श का सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए।

बिहार की सबसे बड़ी त्रासदी बेरोजगारी है। लाखों युवाओं के पास न काम है, न अवसर। हर चुनाव में इस पर वादे किए जाते हैं, लेकिन परिणाम लगभग शून्य रहते हैं। प्रदेश के नौजवान पलायन को मजबूर हैं, मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। चुनावी सभाओं में नौकरियों का झांसा तो मिलता है, लेकिन ठोस योजनाएं और नीतियां कहीं दिखाई नहीं देतीं। राजनीतिक दलों के पास न तो रोजगार सृजन की दीर्घकालिक योजना है, न शिक्षा और कौशल विकास को जोड़ने की कोई ठोस रणनीति। चुनावी भाषणों में बिहार के विकास की बातें होती हैं, लेकिन युवा भविष्य की वास्तविक चिंता कहीं नहीं झलकती। बिहार में महिला सुरक्षा, अपराध और माफिया तंत्र का प्रश्न भी उतना ही ज्वलंत है। हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। भूमि विवादों, रंगदारी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की गतिविधियाँ अब भी जारी हैं। मगर किसी भी दल की ओर से इन पर कोई ठोस नीति या वचन नहीं दिखाई देता।

राजनीतिक दल जानते हैं कि इन विषयों पर बात करना असुविधाजनक है, क्योंकि यह सीधा शासन व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। इसलिए वे इन पर मौन साधे हुए हैं। अपराध और महिला सुरक्षा पर चुप्पी बताती है कि सत्ता प्राप्ति की होड़ में संवेदनशीलता की कोई जगह नहीं बची है। बिहार की राजनीति आज भी जातीय समीकरणों और तुष्टिकरण की जकड़ में फंसी हुई है। विकास और सुशासन की बातें केवल नारों तक सीमित हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर प्रचार तक, हर जगह जातीय गणित प्राथमिकता में है। परिणाम यह है कि मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं और वोट बैंक की राजनीति सर्वोच्च स्थान पा लेती है। विकास के नाम पर किए गए बड़े-बड़े दावे चुनाव बीतते ही धुंधले पड़ जाते हैं।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

**खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म**

# 40 ट्रक माल लेकर अफगानिस्तान में धड़धड़ाते हुए घुसा भारत

(एजेन्सी)।

**जो** सच्चे दिल से साथ देता है, उसका नाम सदियों तक इतिहास में लिखा जाता है। आज इसी कहावत को भारत ने उस अफगान जमीन पर सच कर दिखाया जहां कभी गोलियों की गूंज हुआ करती। आज वहां पर भारत की मदद और इंसानियत की आवाज सुनाई दे रही है। वही अफगानिस्तान जहां अमेरिका ने अपने अरबों डॉलर के साथ सपनों को भी दफना दिया। वहां बस भूख, डर और बारूद की गंध बची थी। लोगों के चेहरों पर उम्मीद नहीं हार का भाव लिखा था। लेकिन अब वही धरती भारत के भरोसे से नई सुबह देख रही है। जहां कभी अमेरिकी फौजे हार मानकर भाग गई। वहां अब भारतीय ट्रक उम्मीद लेकर पहुंच रहे हैं। भारत ने फिर साबित कर दिया है कि जब बाकी देश कहने में लगे थे। तब भारत करने में लगा था।

अफगानिस्तान में जब भूंकप और भूख ने तबाही मचाई। दुनिया के बड़े बड़े देश मीटिंग और बयानों में उलझे रहे। लेकिन भारतने रातों रात सन्नाटे में 40 ट्रकों का एक काफिला रवाना कर दिया। इनमें गेंहू, दालें, दवाईयां, टेंट और इंसानियत का जज्बा भरा था। इन ट्रकों की रफ्तार में राहत नहीं बल्कि उम्मीद की गूंज थी। काबुल की सड़कों पर भारतीय झंडे वाले ट्रक पहुंचे तो वहां के बच्चों ने कहा कि अब भारत आया है। वहां के बच्चों में चमक लौट आई। महिलाओं के चेहरों पर मुस्कान खिल गई और अफगान गलियों में हिंदुस्तान जिंदाबाद गूंज उठा। भारत ने कोई प्रचार नहीं किया। कोई घोषणा नहीं की और चुपचाप मदद भेज गी। यही भारत की साइलेंट डिप्लोमेसी है।

ऐसी कूटनीति जो कैमरों में नहीं। दिलों में बात करती है। जब विदेश मंत्री एस जयशंकर की मुलाकात तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से हुई। तो दुनिया की निगाहें उस छोटे से कमरे में टिक गई। अमेरिका जो तालिबान से बात करने से डरता था, भारत वही जाकर विश्वास की डोर बुन रहा। मुत्ताकी ने कहा था कि भारत ने बिना किसी स्वार्थ के हमारा साथ दिया। ये बात सिर्फ शुक्रिया नहीं बल्कि भारत की कूटनीतिक जीत की मुहर है। भारत पहले अफगानिस्तान को 20 एंबुलेंस गिफ्ट कर चुका है और अब एमआरआई व सीटी स्कैन मशीने भेजने की तैयारी में जुट चुका है।

बाकी देश जब चेतावनी देने में लगे थे तब भारत वहां अस्पताल, स्कूलों का निर्माण कर रहा है। भूखे बच्चों के हाथों में रोटी रख रहा था। ये सिर्फ राहत नहीं थी। बल्कि दिलों को जीतने की डिप्लोमेसी थी। भारत ने दिखा दिया कि असली ताकत हथियारों में नहीं मानवता में होती है। रूस ने भारत के कदम को मानवता की मिसाल बताया।

# पुतिन के भारत आने से पहले मोदी ने हिला दी दुनिया, ट्रंप भी हैरान

(एजेन्सी)।

**एक** बार फिर से पूरी दुनिया के सामने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ऐसा कदम उठाया जिसने अमेरिका तक को हिला कर रख दिया। डोनाल्ड ट्रंप ने जो कहा था वो झूठा साबित हुआ और भारत ने वो कर दिखाया जिसकी उम्मीद किसी को भी नहीं थी। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कुछ हफ्तों से लगातार भारत को धमकियां दे रहे हैं। उन्होंने पहले कहा कि पीएम मोदी से उन्होंने बात की। पीएम मोदी ने उन्हें भरोसा दिलाया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। लेकिन पांच दिन बाद ट्रंप ने खुद अपने बयान से पलटी मार ली। ट्रंप ने कहा कि अब मोदी जी ने कहा है कि भारत रूस से तेल खरीदेगा लेकिन थोड़ा कम यानी पांच दिन में ट्रंप अपने ही बयान से पलट गए। ट्रंप के इस चाल को पीएम मोदी ने बिना कुछ बोले ऐसा जवाब दिया, जिससे पूरी दुनिया दंग रह गई।

भारत ने रूस से न सिर्फ तेल खरीदना जारी रखा बल्कि उसमें और इजाफा कर दिया। ऊर्जा क्षेत्र की बड़ी एजेंसी कैपलर के अनुसार अक्टूबर में भारत ने रूस से तेल खरीद में ढाई लाख बैरल प्रतिदिन की बढ़ोतरी कर दी है। अब रोजाना 1.8 मिलियन बैरल तेल रूस से खरीदा जा रहा है यानी रूस से तेल खरीदने में भारत ने न तो कोई कटौती की है और न ही कोई रुकावट है। बल्कि ट्रंप की धमकी के बीच इसे और बढ़ा दिया गया है। याद रखें कि जब अमेरिका ने यूरोप को कहा था कि रूस से दूरी बनाओ तब भारत ने कहा था कि हम अपनी एनर्जी जरूरतों के हिसाब से फैसले लेंगे और किसी के दवाब में नहीं। आज वही बात सच साबित होती है। रूस से आना वाला सस्ता तेल भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बूस्टर डोज बन गया और पश्चिम देशें की नींद उड़ चुकी है।

तेल तो बस शुरूआत थी और असली धमाका तो तब हुआ जब भारत ने रूस से 10 हजार करोड़ की बड़ी मिसाइल डील की तैयारी शुरू कर दी। भारत अब रूस से एस 400 एयर डिफेंस सिस्टम के लिए भारी मात्रा में मिसाइलें खरीदने जा रहा है। आपको याद होगा जब पाकिस्तान ने भारतीय सीमा के पास ड्रोन और मिसाइलों से खतरनाक एक्टिविटी की थी तो भारत के एस 400 एयर डिफेंस सिस्टम ने पलत झपकते ही उसे ढेर कर दिया था।

# भारत जल्दबाजी में या दबाव में आकर व्यापार समझौते नहीं करता : गोयल

(एजेन्सी)।

**वाणिज्य** एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत जल्दबाजी में या किसी तरह के दबाव में आकर व्यापार समझौते नहीं करता है। गोयल ने कहा कि भारत की यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका सहित विभिन्न देशों एवं समूहों के साथ व्यापार समझौतों पर सक्रिय रूप से बातचीत चल रही है।

गोयल ने जर्मनी में आयोजित बर्लिन संवाद में कहा, हम यूरोपीय संघ के साथ सक्रिय बातचीत कर रहे हैं। हम अमेरिका से भी बात कर रहे हैं लेकिन हम जल्दबाजी में कोई समझौता नहीं करते और न ही कोई समयसीमा तय करके या फिर किसी तरह के दबाव में आकर कोई समझौता करते हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री इस संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए बर्लिन में हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसी भी व्यापार समझौते को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। गोयल ने कहा कि भारत कभी भी जल्दबाजी या उकसावे में आकर कोई निर्णय नहीं लेता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका में लगाए गए उच्च सीमा शुल्क से निपटने के लिए नए बाजारों की तलाश कर रहा है।

भारत के साथ दीर्घकालिक निष्पक्ष व्यापार समझौता शर्तों पर किए जाने के सवाल पर गोयल ने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत ने कभी भी राष्ट्रीय हित के अलावा किसी अन्य आधार पर यह निर्णय लिया है कि उसके मित्र कौन होंगे। यदि कोई मुझसे कहता है कि आप यूरोपीय संघ के मित्र नहीं हो सकते, तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा या कोई कल मुझसे कहता है कि मैं केन्या के साथ काम नहीं कर सकता, तो यह भी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी देश से कोई भी विशेष उत्पाद खरीदने का निर्णय पूरी दुनिया का होगा।

गोयल की यह टिप्पणी रूस से तेल खरीद बंद करने के लिए भारत पर अमेरिका द्वारा बनाए जा रहे दबाव को देखते हुए महत्वपूर्ण है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पिछले एक हफ्ते में कई बार यह दावा कर चुके हैं कि भारत रूस से तेल खरीद बंद करने के लिए राजी है। हालांकि भारत ने इससे इनकार किया है।

# प्रतिका रावल ने करियर में किए बड़े कीर्तिमान

(एजेन्सी)।

**इन** दिनों भारतीय महिला क्रिकेट टीम में एक नाम काफी चर्चा में है। वो है, स्टार बैटर प्रतिका रावल जिन्होंने महज एक साल के क्रिकेट करियर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। प्रतिका ने अपने पिता का अधूरा सपना पूरा किया। दरअसल, प्रतिका के पिता प्रदीप खुद एक क्रिकेटर बनना चाहते थे। प्रतिका ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से अपने पिता का अधूरा सपना पूरा किया। उन्हें पिछले साल शेफाली वर्मा की जगह वेस्टइंडीज सीरीज के लिए बतौर ओपनर चुना गया। उस समय वह मानो उनके पिता प्रदीप रावल के लिए ऐसा लम्हा था कि उन्होंने अपने अधूरे सपने को पूरा कर लिया हो। प्रतिका के परिजनों के आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे।

प्रतिका ने महज 3 साल की उम्र से ही क्रिकेट खेलना शुरू किया हो लेकिन प्रतिका पढ़ाई में भी बेहद अच्छी थीं। उन्होंने अपनी पढ़ाई और खेल के बीच बेहतरीन सामंजस्य बिठाया। उनके भाई का कहना है कि, उन्होंने 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 92 प्रतिशत से ज्यादा अंक हासिल किए। स्कूल में भी वह हर खेल खेलती थीं। उसके बाद वह क्रिकेट की स्टार बनीं और उसे अपना मेन खेल चुना। प्रतिका के पिता ने इंडियन एक्सप्रेस को एक इंटरव्यू में बताया कि, उन्होंने अपनी यूनिवर्सिटी के दिनों तक क्रिकेट खेला। वह उस दौरान एक ऑलराउंडर थे जो हार्ड हिटिंग के साथ मध्यम गति का तेज गेंदबाज था। लेकिन उन्हें उस समय सही मौका और सलाह नहीं मिल पाई। प्रदीप रावल ने आगे बताया कि वह अपने बच्चे के जरिए अपना सपना पूरा करना चाहते थे। जब प्रतिका सिर्फ तीन साल की थी मैंने उसे बैट पकड़ना सिखाया था।

प्रतिका के पिता ने आगे बताया कि, मैं बीसीसीआई का लेवल 1 अंपायर बन गया और प्रतिका मेरे साथ जाती थी और मैच देखकर कर आती थी। उसे बास्केटबॉल में भी रुचि थी, नेशनल लेवल पर मॉर्डन स्कूल के लिए उसने गोल्ड भी जीता। जब वह 10-12 साल की हुई तो हमने क्रिकेट क उसके भविष्य की सही राह के रूप में चुना।

प्रतिका के सफल करियर में उनके पिता का अहम योगदान रहा है। उनके पिता ने उनके लिए ट्रेनिंग और उसे क्रिकेटर बनाने के लिए हर वो मेहनत की जिसकी उसको जरूरत थी। प्रदीप ने बताया कि कोविड के समय प्रतिका के करियर का सबसे कठिन समय था। उसी के कारण उसके करियर की शुरूआत में देरी हुई।

# वनडे के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगा भारत

**(एजेन्सी)**। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज चल रही है। इसके बाद दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का आगाज होगा। 29 अक्तूबर से कैनबरा में इस सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। इसके साथ ही भारतीय टीम की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में होगी। सूर्यकुमार यादव कप्तान, शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह और वॉशिंगटन सुंदर। मिच मार्श, सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिश, मैथ्यू कुहनेमन, मिशेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

**टी20 सीरीज का शेड्यूल**

**पहला मैच**-29 अक्तूबर, कैनबरा, **दूसरा मैच**-31 अक्तूबर, मेलबर्न
**तीसरा मैच**-2 नवंबर- होबार्ट, **चौथा मैच**-6 नवंबर- गोल्ड कोस्ट
**पांचवां मैच**-8 नवंबर- ब्रिसबेन

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत की वनडे टीम की कमान रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल को सौंपी गई है। फिलहाल दोनों टीमों के बीच अब तक दो मुकाबले खेले जा चुके हैं जिसे मेजबान टीम ने जीतकर सीरीज पर कब्जा जमा लिया है। वहीं अब तीसरा वनडे मुकाबला सिडनी में खेला जाएगा। जिसे जीतकर भारतीय टीम अपनी साख बचाना चाहेगी।

# 'एक दीवाने की दीवानियत' का जलवा, 22 करोड़ का आंकड़ा पार

**(एजेन्सी)**। हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा अभिनीत 'एक दीवाने की दीवानियत' को 'थम्मा' से कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद शानदार प्रतिक्रिया मिली है। यह रोमांटिक थ्रिलर विक्रमादित्य की कहानी है, जिसका अदा के लिए प्यार एक अस्वस्थ जुनून में बदल जाता है क्योंकि उसकी असुरक्षाएँ हावी हो जाती हैं।



दिवाली के आसपास रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले दिन लगभग 9 करोड़ रुपये की कमाई के साथ सकारात्मक शुरूआत की। 25-30 करोड़ रुपये के कथित बजट को देखते हुए, मिलाप जावेरी निर्देशित इस फिल्म ने दर्शकों को आकर्षित करने में कामयाबी हासिल की है और सप्ताहांत में इसके बॉक्स ऑफिस आंकड़े लगातार बढ़ रहे हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, निर्माताओं के अनुसार, फिल्म की पहले दिन की कमाई 10 करोड़ रुपये से थोड़ी अधिक थी। सैकनिल्क के अनुसार, 'एक दीवाने की दीवानियत' ने दूसरे दिन 7.75 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 6 करोड़ रुपये की कमाई की, जिससे इसकी कुल कमाई लगभग 22.75 करोड़ रुपये हो गई। सोशल मीडिया पर बढ़ती चर्चा और खासकर युवा दर्शकों के बीच जबरदस्त प्रचार, फिल्म की निरंतर सफलता में योगदान दे रहे हैं। मिलाप जावेरी द्वारा निर्देशित, एक दीवाने की दीवानियत में शाद रंधावा, सचिन खेडेकर और अनंत नारायण महादेवन के साथ हर्षवर्द्धन राणे और सोनम बाजवा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म को धीमी समीक्षा मिली, लेकिन दर्शकों ने इसे सराहा, खासकर गैर-मेट्रो शहरों में।

# सेवा कामना वेलफेयर एंड एजुकेशनल ट्रस्ट की ओर से दीपावली की प्रेरक शुरूआत

**संजना भारती संवाददाता**

**नई दिल्ली।** सेवा कामना वेलफेयर एंड एजुकेशनल ट्रस्ट के द्वारा इस वर्ष दीपावली का पर्व अत्यंत सुंदर और अर्थपूर्ण तरीके से शुरू किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष अनु भाटिया तथा सभी समर्पित सदस्यों ने दीपावली की शुरूआत उन स्थानों से की, जहाँ आर्थिक तंगी या शारीरिक कष्ट के कारण त्यौहार का उजाला अक्सर नहीं पहुँच पाता।

ट्रस्ट की टीम ने निम्न वर्गीय परिवारों, फ्री स्कूल के बच्चों, तथा यमुना खादर बेल्ट में बसे उन परिवारों के बीच दीपावली का आनंद बाँटा, जो कुछ माह पूर्व बाढ़ जैसी विषम परिस्थितियों से गुजर चुके थे। इसके साथ ही वृद्ध आश्रम के बुजुर्गों के साथ मिलकर दीप जलाए गए और स्नेहपूर्ण वातावरण में मिठाइयाँ, नए कपड़े, उपहार और स्वादिष्ट भोजन वितरित किया गया।

बच्चों के चेहरों पर खुशी और बुजुर्गों की आँखों में संतोष इस सेवा की सच्ची सफलता का प्रमाण था।

**ट्रस्ट की अध्यक्ष अनु भाटिया ने कहा**–सच्ची खुशी वही है जब हम किसी और की अधूरी मुस्कान को पूरा कर सकें। अपने घर में त्यौहार मनाना सहज है, पर सेवा कामना ट्रस्ट हर वर्ष यह संकल्प लेता है कि दीपावली का पहला दीप वहाँ जले जहाँ अंधेरा अधिक है। अध्यक्ष अनु भाटिया जी ने इस सफल आयोजन में योगदान देने वाले सभी सहयोगियों, दानदाताओं और टीम सदस्यों का विशेष आभार व्यक्त किया और कहा कि-यह सेवा एक दिन की नहीं, बल्कि हर वर्ष दीपावली से पूर्व ऐसे स्थानों पर जाकर खुशियाँ बाँटना हमारी संस्था की परंपरा बन चुकी है।

सेवा कामना वेलफेयर एंड एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा किया गया यह प्रयास न केवल दीपावली के उत्सव को सार्थक बनाता है, बल्कि मानवता और करुणा की भावना को भी नई दिशा देता है।

# विकसित गाँव बनेंगे विकसित दिल्ली की ताकत: रविन्द्र इन्द्राज

## ग्रामीण क्षेत्रों में खिलाड़ियों को भी मिलेगा प्रैक्टिस में लाभ

**संजना भारती संवाददाता**

**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने पंजाबखोर, जटखोर, कुतुबगढ़, बाजितपुर ठाकरान, नांगल ठाकरान और दरियापुर गांवों में विधायक निधि से स्थापित हाई मास्ट लाइटों का स्थानीय निवासियों के साथ लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह पहल न सिर्फ विकास की दिशा में एक कदम है बल्कि ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता सुधारने का भी प्रयास है। इस अवसर पर संबंधित विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन गांवों में लंबे समय से अंधेरा छाया रहता था, जिससे शाम के समय आवागमन में कठिनाई होती थी। अब हाई मास्ट लाइटों के लगने से न केवल मुख्य चौक-चौराहे रोशन होंगे, बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी राहत मिलेगी। साथ ही स्थानीय मैदानों में अंधेरा दूर होने से रात्रिकालीन प्रैक्टिस में खिलाड़ियों को भी लाभ मिलेगा। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना और समाज की अंतिम पंक्ति को विकास की मुख्यधारा में लाना है। उन्होंने कहा कि गांवों में लगातार सड़कों, स्ट्रीट लाइटों, पार्कों और सामुदायिक भवनों का विकास कार्य किया जाएगा।

श्री रविन्द्र इन्द्राज ने कहा कि दिल्ली सरकार गांवों के संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रामीण विकास के बिना विकसित दिल्ली लक्ष्य हासिल करना संभव नहीं है। विकसित गाँव ही विकसित दिल्ली की ताकत बनेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि जिन गांवों में हाई मास्ट लाइटें लगाई गई हैं, वहां नियमित रखरखाव की जिम्मेदारी भी संबंधित विभाग को दी गई है ताकि यह व्यवस्था लंबे समय तक सुचारू रूप से चले। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने उपस्थित ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने गांवों की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण में सक्रिय सहयोग दें ताकि गांव न केवल रोशन हों बल्कि स्वच्छ और सुंदर भी बनें।

# ककोड़ा मेला क्षेत्र में तैयारियां तेज, चिकित्सा और सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन**

**बदायूं।** रुहेलखंड के सुप्रसिद्ध मिनी कुंभ मेला ककोड़ा में इस बार श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मेला स्थल पर कोतवाली के तंबू लगना शुरू हो गए हैं, वहीं दुकानदारों ने भी अपनी दुकानें सजानी शुरू कर दी हैं। मनोरंजन के लिए झूले लगाने का कार्य भी तेजी से जारी है, जिससे मेले में रौनक बढ़ने लगी है। श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा के मद्देनजर चिकित्सा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देशन में मेला क्षेत्र में अस्थाई चिकित्सालय की स्थापना की जाएगी, जिसमें पर्याप्त औषधि, चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ की पूर्ण व्यवस्था रहेगी। मेले में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, फॉगिंग, तथा सांप, कुत्ते और बिच्छू के काटने की दवाएं भी उपलब्ध रहेंगी। मुख्य पर्वों पर चिकित्सकों की विशेष टीमें एंबुलेंस सहित तैनात रहेंगी। दवा वितरण के लिए 10 काउंटर लगाए जाएंगे, वहीं डीएम ने चिकित्सा अधिकारियों को क्लोरीन की गोलियों का वितरण करने के निर्देश दिए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बदायूं के समीप नौशेरा से मेला स्थल तक हर पांच किलोमीटर पर एंबुलेंस की व्यवस्था रहेगी। इसके लिए एक विशेष कंट्रोल रूम भी स्थापित किया जाएगा। साथ ही, अस्थाई पशु चिकित्सालय भी बनाया जाएगा, जहां पशुओं के उपचार और वैक्सीनेशन की व्यवस्था रहेगी।

इस बार मेले में पारंपरिक घुड़दौड़ का आयोजन नहीं होगा। जेई अक्षय कुमार रावत ने बताया कि श्रद्धालुओं को इस बार जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा इस बार सड़कों का चौड़ीकरण किया गया है। मेला क्षेत्र में स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन सक्रिय है। मुख्य मार्गों पर छिड़काव और बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य जारी है। विद्युत विभाग द्वारा मुख्य मार्गों और गंगा तटों पर लाइट फिटिंग का काम तेजी से चल रहा है। वहीं, सुरक्षा की दृष्टि से उठाईगीरों पर नजर रखने के लिए वॉच टावर बनाए जा रहे हैं।

मेला प्रशासन ने दावा किया है कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभागों को सतर्क किया गया है और समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है। इस बार ककोड़ा मेला में स्वच्छता, सुरक्षा और सुविधा की दृष्टि से बेहतर प्रबंध देखने को मिलेंगे।

# मुख्यमंत्री धामी ने सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कैंपेन की तैयारियों के सम्बध में वर्चुअल बैठक की

**संजना भारती संवाददाता**

**देहरादून।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोहियाहेड अतिथि गृह, खटीमा में राष्ट्रीय एकता के प्रतीक, लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कैंपेन की तैयारियों के सम्बध में वर्चुअल बैठक की। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि एकता मार्च के सफल आयोजन के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों और महाविद्यालयों में सांस्कृतिक एवं जन जागरूकता कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किए जाए। उन्होंने कहा इस अभियान में युवाओं, महिलाओं, स्थानीय निकायों, एनसीसी, स्वयं सहायता समूहों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी तय कार्यक्रमों की जानकारी राज्य स्तर पर साझा की जाए, ताकि अभियान का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता का संदेश घर घर तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान और एक भारत, श्रेष्ठ भारत के उनके संकल्प को जन जन तक पहुँचाने के लिए इस कार्यक्रम को भव्य एवं प्रेरणादायक रूप में आयोजित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती को ऐतिहासिक रूप से मनाना है, ताकि देश की नई पीढ़ी उनके योगदान और विचारों से प्रेरणा ले सके। उन्होंने कहा सरदार पटेल ने अपने अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और कौशल से भारत को एक सशक्त राष्ट्र बनाया। उन्होंने कहा सरदार पटेल ने देश की विभिन्न रियासतों को जोड़कर एक भारत की नींव रखी। उनके प्रयासों से ही भारत एक अखंड और एकीकृत राष्ट्र के रूप में स्थापित हो सका है। मुख्यमंत्री ने कहा सरदार पटेल की कूटनीति और दूरदर्शिता का स्वतंत्र भारत के इतिहास में बड़ा योगदान रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सरदार पटेल के सपनों को आगे बढ़ाया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक भारत श्रेष्ठ भारत के विजन के साथ भारत को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल के सम्मान में गुजरात के नर्मदा जिले के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण कराया गया, जो विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है और भारत की एकता, अखंडता तथा राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल के विचार आज भी देश को एकता, समरसता और सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में प्रेरित करते हैं। बैठक में बताया गया कि इस अभियान के तहत राज्य के नागरिक माई भारत पोर्टल पर अपना पंजीकरण करा रहे हैं। इसके अन्तर्गत सोशल मीडिया रील प्रतियोगिता, निबंध लेखन, क्विज और यंग लीडर्स जैसे कार्यक्रम शामिल हैं।

राज्य के 13 जिलों में 31 अक्टूबर से 16 नवम्बर के मध्य एकता मार्च के रूप में आयोजित होगा। यह एकता मार्च 3 दिन आयोजित होगा। जिसके तहत 8 से 10 किलोमीटर की पैदल यात्रा होगी। जिसमें कोई भी नागरिक प्रतिभाग कर सकता है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय पदयात्रा दिनांक 26 नवम्बर से 06 दिसम्बर तक 152 कि.मी. की पदयात्रा करमसद (सरदार पटेल का जन्म स्थान) से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, केवड़िया तक निकाली जाएगी।

इस यात्रा में राज्य के प्रत्येक जिले से 2 युवा प्रतिभाग करेंगे, जिनका चयन माई भारत पोर्टल से होगा। इस अवसर पर जिला अधिकारी श्री नितिन भदौरिया, जिलाधिकारी चम्पावत श्री मनीष कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री मणिकांत मिश्रा, एवं वर्चुअल माध्यम से विशेष प्रमुख सचिव खेल श्री अमित सिन्हा, महानिदेशक सूचना श्री बंशीधर तिवारी एवं सभी जिलाधिकारी भी मौजूद रहे।

# सेन्ट्रल बार में संस्कृत दिवस समारोह का हुआ आयोजन

**एसबी संवाददाता**

**वाराणसी।** शुक्रवार को सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के गांधी सभागार में संस्कृत दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ बटुकों के मंगलाचरण से हुआ। तत्पश्चात समारोह के मुख्य अतिथि जिला जज संजीव शुक्ला को समारोह के संयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम जी उपाध्याय, सह संयोजक सत्य प्रकाश सुनील और रमाशंकर प्रजापति ने माला, अंगवस्त्रम और मां सरस्वती का चित्र देकर सम्मानित किया। समारोह में अधिवक्ताओं ने श्लोक, स्तुतियां, सुभाषित और संस्कृत गद्य आलेख प्रस्तुत किए उन्हें मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समारोह का संयोजन/संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम जी उपाध्याय ने किया। तथा अध्यक्षता सेन्ट्रल बार के अध्यक्ष मंगलेश दूबे ने कियो इस अवसर पर बनारस बार के अध्यक्ष सतीश तिवारी, महामंत्री शशांक श्रीवास्तव, गौतम कुमार झा, राघवेन्द्र दूबे, अशोक प्रिन्स, रामावतार पाण्डेय, सुधा सिंह, विधु प्रकाश पाण्डेय, सतीश यादव सहित सैकड़ों अधिवक्ता उपस्थित थे।

# मुख्यमंत्री धामी ने आधुनिक लैंड पोर्ट परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया

**संजना भारती संवाददाता**

**देहरादून।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को चंपावत जनपद के बनबसा स्थित गुदमी क्षेत्र में लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा लगभग 500 करोड़ रुपया की लागत से निर्मित होने वाली आधुनिक लैंड पोर्ट परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा यह परियोजना भारतनेपाल के बीच सहयोग, व्यापार और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास में बेहद सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार की लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया इस महत्वाकांक्षी परियोजना को उत्तराखंड सरकार के सहयोग से तेजी से आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना के आरंभ से ही पर्यावरणीय मंजूरी, प्रतिपूरक पौधारोपण और भूमि हस्तांतरण की सभी औपचारिकताएँ पूर्ण होती रही हैं। इस वर्ष पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा लगभग 84 एकड़ वन भूमि को अंतिम स्वीकृति मिल चुकी थी, जिसके बाद परियोजना के निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 500 करोड़ रुपया की लागत से बनने जा रहा यह आधुनिक लैंड पोर्ट भारत और नेपाल के बीच व्यापार एवं यात्री आवागमन के लिए एक समेकित, सुविधाजनक और सुरक्षित प्रणाली विकसित करेगा। यहाँ कस्टम, सुरक्षा, व्यापार एवं बॉर्डर से जुड़ी सभी प्रमुख एजेंसियाँ एक ही परिसर में कार्य करेंगी, जिससे सीमा प्रबंधन में अधिक तेज, पारदर्शी आयेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना केवल अवसंरचना निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीमांत क्षेत्रों के आर्थिक परिदृश्य को बदलने का माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि रणनीतिक रूप से स्थित बनबसा लैंड पोर्ट सीमा पार व्यापार को भी सशक्त बनाएगा, कृषि व औद्योगिक उत्पादों के लिए एक औपचारिक प्रवेश द्वार तैयार करेगा और स्थानीय युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर उत्पन्न करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लैंड पोर्ट के माध्यम से किसानों और छोटे उत्पादकों को सीमा पार बाजारों तक सीधी पहुँच मिलेगी, जिससे परिवहन लागत घटेगी और उत्पादों का मूल्य संवर्धन संभव होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल भारत और नेपाल के आपसी संबंधों को और मजबूत करेगी, जिससे पर्यटन, सांस्कृतिक आदानप्रदान और पारस्परिक सहयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना भारत सरकार की क्षेत्रीय एकीकरण की दृष्टि और सुरक्षित, सतत सीमा विकास नीति के अनुरूप है। उन्होंने बताया कि एलपीएआई द्वारा डिजाइन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है, जिसके माध्यम से ऐसा पर्यावरणअनुकूल मॉडल तैयार किया जाएगा जो आधुनिकता और प्रकृति संरक्षण का संतुलित उदाहरण बने।

मुख्यमंत्री ने भारत सरकार, भूमि पोर्ट प्राधिकरण और राज्य के सभी विभागों, एजेंसियों को आपसी समन्वय से कार्य करने की बात कही, ताकि निर्माण कार्य शीघ्र हो सके। उन्होंने कहा कि बनबसा लैंड पोर्ट परियोजना उत्तराखंड की सीमाओं को समृद्धि, सहयोग और अवसरों की नई पहचान देगी।

# सरकार की योजनाओं की जानकारी लक्षित वर्ग तक पहुंचा कर पत्रकार कर रहे हैं समाज सेवा: उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा

**एसबी संवाददाता**

**जयपुर।** लोकतंत्र में पत्रकारिता महत्वपूर्ण स्तम्भ है। सरकार की योजनाओं की जानकारी लक्षित वर्ग तक पहुंचाने और योजना क्रियान्वयन में किसी भी खामी, सुधार के सुझाव का फीडबैक सरकार तक पहुंचा कर पत्रकार समाज की सेवा करते हैं। राज्य सरकार पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए हरसम्भव कदम उठा रही है।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शुक्रवार को जयपुर में पिंकसिटी प्रेस क्लब के 34वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों एवं गणमान्य नागरिकों को यह बात कही। कार्यक्रम में उन्होंने पत्रकारिता जगत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकार बंधुओं को पिंकसिटी प्रेस क्लब की ओर से सम्मानित किया। उन्होंने क्लब के गौरवशाली इतिहास को प्रदर्शित करती फोटो प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर सिविल लाइंस विधायक और वरिष्ठ पत्रकार गोपाल शर्मा, पिंकसिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुकेश मीणा, महासचिव मुकेश चौधरी, महात्मा गांधी मेडिकल विश्वविद्यालय के संस्थापक एम.एल. स्वर्णकार सहित क्लब के पदाधिकारी व गणमान्य जन उपस्थित रहे।

# राज्यमंत्री एवं सांसद ने शिविर में पात्र लोगों को दस्तावेज वितरित किए

**एसबी संवाददाता**

**जयपुर।** राज्य सरकार के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से चलाए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविर के तहत शुक्रवार को सिरोही जिले की ग्राम पंचायत कृष्णगंज में राजकीय सीनीयर सैकण्डरी स्कूल में शिविर का आयोजन हुआ। इस शिविर में संबंधित 19 विभागों के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने भाग लिया एवं जनहित के कार्य सम्पादित किये गए। शिविर में ग्रामीण विकास, आपदा प्रबंधन, पंचायतीराज मंत्री ओटाराम देवासी एवं सांसद लुम्बाराम चौधरी के हाथों योजना में पात्र ग्रामीणों को दस्तावेज दिए गए।

इस मौके पर राज्यमंत्री श्री ओटाराम देवासी एवं सांसद श्री लुम्बाराम चौधरी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लेने का आव्हान किया तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के आमजन के हित में कार्यान्वित करने के लिए प्रशासनिक तंत्र के अधिकारियो एवं कार्मिको को निर्देशित किया गया। शिविर में 05 पटटा वितरण, 08 मंगला पशु बीमा, 02 गोद भराई, विवाह पंजीयन, जन्म-मृत्यु पंजीयन, पेंशन सत्यापन किये गये। शिविर में विकास अधिकारी मंछाराम, प्रशासक सरूदेवी देवासी, तहसीलदार जगदीश, नायब तहसीलदार एवं अतिरिक्त विकास अधिकारी महिपाल सिंह समेत विभिन्न विभागां के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहें।

# मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हमीदिया हॉस्पिटल में बच्चों और नागरिकों के स्वास्थ्य का हाल-चाल जाना

**संजना भारती संवाददाता**

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्बाइड गन से प्रभावितों से भोपाल हमीदिया हॉस्पिटल के ब्लॉक 2 की 11वीं मंजिल स्थित नेत्र रोग वार्ड में भेंट की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चिकित्सा विशेषज्ञों से रोगियों के उपचार के संबंध में जानकारी प्राप्त कर समुचित इलाज के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी कार्बाइड गन से प्रभावित बच्चों और नागरिकों के उचित इलाज के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से भी सहायता के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ऐसे प्रकरणों की निरंतर मॉनीटरिंग की जा रही है। घातक कार्बाइड गन के निर्माण और विक्रय को अवैध होने के नाते थाना स्तर पर छापामारी और जाँच की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नारियलखेड़ा निवासी श्री प्रशांत मालवीय, गरीब नगर छोला के श्री करण पंथी, भानपुर के श्री आरिश और परवलिया सड़क के श्री अंश प्रजापति से भेंट की। इनमें अधिकांश किशोर हैं।

श्री अंश प्रजापति ने बताया कि वे अन्य युवकों के कार्बाइड गन उपयोग करने से घायल हुए हैं। वहीं श्री प्रशांत, श्री करण और श्री आरिश ने स्वयं कार्बाइड गन का उपयोग करते हुए घायल होने की बात स्वीकार की।

हमीदिया अस्पताल में दाखिल इन रोगियों के अभिभावकों ने भी परिवार के सदस्यों द्वारा कार्बाइड गन के उपयोग को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। रोगियों के परिजन ने हमीदिया अस्पताल में किए जा रहे उपचार पर संतोष व्यक्त किया। श्री करण पंथी के परिवार ने कहा कि उन्होंने गरीब नगर में अन्य परिवारों को भी कार्बाइड गन का उपयोग न करने का परामर्श दिया है। अब सभी जागरूक हो चुके हैं और बस्ती में कोई भी इसका उपयोग नहीं कर रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के हमीदिया अस्पताल के अवलोकन के अवसर पर प्रमुख सचिव स्वास्थ्य विभाग श्री संदीप यादव और आयुक्त जनसंपर्क श्री दीपक कुमार सक्सेना उपस्थित थे।

# 'चरण सुहावे' यात्रा दिल्ली से पटना साहिब तक आध्यात्मिक सेतु: मुख्यमंत्री सैनी

## 'चरण सुहावे' गुरु चरण यात्रा का फरीदाबाद में हुआ भव्य स्वागत

**एसबी संवाददाता**

**चंडीगढ़।** हरियाणा की पावन धरती आज एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक क्षण की साक्षी बनी, जब 'सरबंसदानी' दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज और माता साहिब कौर जी के 'पवित्र जोड़ा साहिब' की चरण सुहावे गुरु चरण यात्रा का फरीदाबाद में भव्य स्वागत किया गया। श्रद्धा, भक्ति और एकता का यह अनुपम संगम शहर के प्रत्येक कोने में दिखाई दिया।

इस स्वागत कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिकरत की। मुख्यमंत्री ने फरीदाबाद के एनआईटी-5 स्थित श्री गुरु दरबार साहिब गुरुद्वारा में "चरण सुहावे गुरु चरण यात्रा" का स्वागत किया। श्री नायब सिंह सैनी ने यात्रा के साथ चल रहे केंद्रीय मंत्री सरदार हरदीप सिंह पुरी का हरियाणा आगमन पर स्वागत किया। उन्होंने श्री गुरु दरबार साहिब गुरुद्वारा में साध- संगत और यात्रा की अगवानी करने वाले पंज प्यारों का भी पटका ओढ़ा कर सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने यात्रा की रवानगी से पहले गुरुद्वारा में मत्था टेका और अरदास सुनी। इसके उपरांत उन्होंने पवित्र जोड़ा साहिब के भी दर्शन किए। इससे पहले हरियाणा शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य सरदार रविंदर सिंह राणा, श्री गुरु दरबार साहिब गुरुद्वारा के प्रधान सरदार इंदर जीत सिंह व सिख समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि दिल्ली से आरंभ होकर बिहार स्थित तख्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब तक जाने वाली इस महान यात्रा का पहला विश्राम स्थल फरीदाबाद रहा। दिल्ली का प्रवेश द्वार कहे जाने वाला यह शहर आज गुरु चरणों की धूल से पावन हो उठा है। जिस नगर में गुरु के पवित्र चरण रुकें, वह नगर अपने आप ही तीर्थ बन जाता है, और आज फरीदाबाद, लाखों श्रद्धालुओं के लिए एक महान तीर्थ स्थल बन चुका है। उन्होंने इस यात्रा के आयोजन के लिए दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और इस यात्रा के आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज जब यह पवित्र जोड़ा साहिब यहाँ पहुँचा है तो दशमेश पिता का सम्पूर्ण तेज, त्याग और बलिदान हमारे बीच साकार हो उठा है। उन्होंने धर्म, राष्ट्र और मानवता की

रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने मुगल अत्याचार के विरुद्ध बलिदान दिया। उन्होंने अन्याय से लड़ने के लिए एक साधारण मनुष्य को खालसा बनाया, एक ऐसी शक्ति बनाया जिसका संकल्प धर्म की रक्षा और निर्बलों की सहायता करना था। यह जोड़ा साहिब हमें उनकी उस महान प्रतिज्ञा की याद दिलाता है कि "सवा लाख से एक लड़ाऊँ, तबै गोबिंद सिंह नाम कहाऊँ।" यह प्रतिज्ञा केवल युद्ध की नहीं थी, बल्कि आत्म-सम्मान, साहस और न्याय की थी, जो आज भी हर भारतीय के लिए जीवन का मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपने चारों पुत्रों का बलिदान दिया ताकि देश के अन्य पुत्र-पुत्रियाँ सुरक्षित रह सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस यात्रा में माता साहिब कौर जी का भी पवित्र जोड़ा साहिब शामिल है। माता साहिब कौर जी को खालसा पंथ की माँ होने का गौरव प्राप्त है। जब गुरु जी ने खालसा पंथ की स्थापना की, तो उन्होंने माता साहिब कौर जी से 'अमृत' में पताशे डलवाए, ताकि खालसा के अनुयायियों में वीरता के साथ-साथ मिठास और करुणा भी बनी रहे। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह 'चरण सुहावे' यात्रा दिल्ली, जो भारत की राजधानी है, और पटना साहिब, जो गुरु गोबिंद सिंह जी की जन्मभूमि है, के बीच एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सेतु का निर्माण कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार, गुरुओं के दिखाए मार्ग पर चलने और उनके बलिदान को चिरस्थायी बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। सरकार ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश वर्ष, श्री गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का 350वां प्रकाश पर्व को भव्य रूप से मनाने का काम किया। इसके अलावा, जिस भूमि पर श्री गुरु नानक देव जी ने 40 दिन रहकर तपस्या की, उस भूमि को सरकार ने सिरसा स्थित गुरुद्वारा श्री चिल्ला साहिब को दी है।

# जिला विधिक सेवा प्राधिकरण करनाल द्वारा विद्यालयों में साक्षरता शिविरों का आयोजन

**एसबी विशेष संवाददाता**

**करनाल।** जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, करनाल द्वारा कैम्पेन हार्वेस्टिंग हारमनी के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में कानूनी साक्षरता शिविरों का आयोजन किया गया।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. इरम हसन ने बताया कि अक्तूबर माह के दौरान जिले के विभिन्न गांवों, संस्थानों व विद्यालयों में जागरूकता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में प्राधिकरण के पैनल पर नियुक्त पैरा लीगल वालंटियर द्वारा लोगों को पराली जलाने के नुकसान व उससे संबंधित सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। इसी कड़ी में इंस्पेक्टर राजेश लता द्वारा देव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बरसत, न्यू आदर्श पब्लिक स्कूल बरसत, विक्टर इंटरनेशनल स्कूल बरसत व आशदीप पब्लिक स्कूल बरसत में साक्षरता शिविर आयोजित किए गए। विद्यार्थियों को पराली जलाने से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान, पराली प्रबंधन योजनाओं, पोक्सो अधिनियम, दुर्गा शक्ति ऐप, साइबर क्राइम, नशा निषेध और हेल्पलाइन नंबर 112 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

इसके अतिरिक्त पैरा लीगल वालंटियर प्राची व पूजा वर्मा ने राजकीय माध्यमिक विद्यालय, नेवल में शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर सीजेएम डॉ. इरम हसन ने उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों व ग्रामीणों को पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण और उसके कानूनी परिणामों के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने किसानों को पराली प्रबंधन हेतु उपलब्ध सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और मुफ्त कानूनी सेवाओं के लाभों से भी अवगत करवाया।

शिविर के दौरान हालसा पंचकूला द्वारा प्रकाशित कानूनी व सामाजिक विषयों पर आधारित पुस्तकें भी वितरित की गईं। सीजेएम ने सभी उपस्थितों से आग्रह किया कि वे शिविर में प्राप्त जानकारी को अपने परिजनों व ग्रामीणों तक पहुँचाएं ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसान वर्ग को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके।

# संविधान नहीं लिखा-कहने वाले खुद संविधान की समझ से परे हैं: डॉ. राजेश वैध वाल्मीकि, पराग गाबा एवं सुरेश गुप्ता

## मनोहर लाल खट्टर का बयान लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार, कांग्रेस नेताओं की कड़ी प्रतिक्रिया

**एसबी विशेष संवाददाता**

**करनाल।** केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा दिए गए बयान-डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान नहीं लिखा-पर करनाल कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. राजेश वैध वाल्मीकि, शहरी कांग्रेस अध्यक्ष पराग गाबा और कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने कहा कि यह बयान न केवल असंवेदनशील है बल्कि लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा प्रहार है।

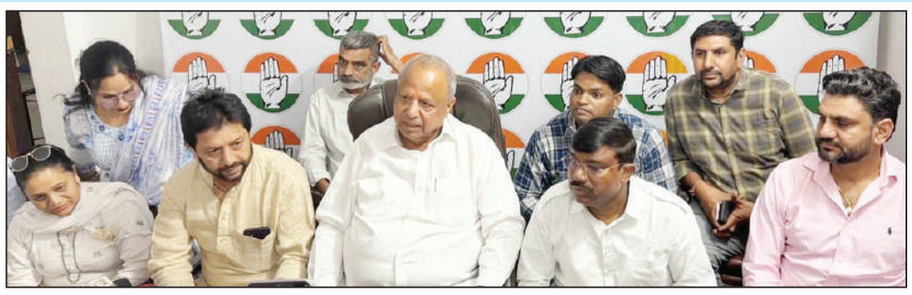

नेताओं ने कहा कि जो लोग कहते हैं कि बाबा साहेब ने संविधान नहीं लिखा, वे स्वयं संविधान की मूल भावना से अनजान हैं। यही संविधान हर भारतीय को समान अधिकार, सम्मान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। आज उन्हीं अधिकारों के सहारे कुछ लोग लोकतंत्र के मंदिर में बैठकर उसके निर्माता का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर केवल संविधान निर्माता नहीं, बल्कि भारत की आत्मा हैं। उन्होंने उस समाज को आवाज दी जिसे सदियों तक दबाया गया। आज अगर कोई गरीब, दलित, महिला या पिछड़ा वर्ग अपने अधिकार की बात कर सकता है, तो यह बाबा साहेब की देन है।

नेताओं ने कहा कि मनोहर लाल खट्टर का यह कथन दलित समाज ही नहीं, बल्कि हर उस भारतीय का अपमान है जो संविधान में आस्था रखता है। प्रधानमंत्री स्वयं बाबा साहेब की प्रतिमा के समक्ष नतमस्तक होते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि भारत के लोकतंत्र की नींव बाबा साहेब की कलम से रखी गई थी।

सुरेश गुप्ता ने कहा कि बाबा साहेब के विचार और संविधान हमारी लोकतांत्रिक संस्कृति की नींव हैं। ऐसे विचारों का अपमान देश के संवैधानिक ढांचे को कमजोर करता है।

इस अवसर पर डॉ. नवजोत कश्यप, रोहित जोशी, रजत लाठर, ललित आहूजा, जसबीर पानू, तेजी मान, बंटी माव शारदा सिंधु सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# लाभार्थी शनिवार और रविवार को करवा सकेंगे दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना का पंजीकरण: एसडीएम

**संजना भारती संवाददाता**

**असंध।** एसडीएम असंध राहुल रैया ने सभी आमजन को सूचित करते हुए बताया कि जिन लाभार्थियों का अभी तक दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना का पंजीकरण नहीं हुआ है उनके पंजीकरण के लिए शनिवार और रविवार को उपमंडल प्रशासन द्वारा पंजीकरण का कार्य किया जाएगा। इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया कि असंध शहरवासी अपने पंजीकरण के लिए शनिवार और रविवार को बीडीपीओ कार्यालय असंध में संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त सभी ग्रामवासी अपने गांव के सरपंच से संपर्क कर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। एसडीएम असंध ने बताया कि लाभार्थियों को पंजीकरण हेतु कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। उपमंडल प्रशासन द्वारा असंध शहर और गांवों में

पंजीकरण हेतु शनिवार और रविवार को कार्य किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त एसडीएम असंध ने बताया कि महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में हरियाणा सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' की शुरूआत की गई है। यह योजना महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी।

# सरकारी चिकित्सा संस्थानों में चिकित्सा उपकरणों की कमी नहीं रहने देंगे: आरती सिंह राव

## 6 जिलों के अस्पतालों में पहुंची नई अल्ट्रासाउंड मशीनें, जल्द शुरू होंगी जांचें

**संजना भारती संवाददाता**

**चंडीगढ़।** हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा है कि राज्य सरकार जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रदेश के किसी भी सरकारी अस्पताल या स्वास्थ्य संस्थान में चिकित्सा उपकरणों और मशीनों की कोई कमी न रहे।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि आवश्यकता के अनुसार नए उपकरणों और आधुनिक मशीनों की खरीद की जा रही है तथा उन्हें समय-समय पर संस्थानों में भेजा जा रहा है। हाल ही में प्रदेश के छह जिलों-पंचकूला, नारनौल, पानीपत, रेवाड़ी, सोनीपत और गुरुग्राम-के सरकारी अस्पतालों में नई अल्ट्रासाउंड मशीनें भेजी गई हैं। इन मशीनों के इंस्टॉलेशन का कार्य पूरा होने के बाद जल्द ही मरीजों की जांच शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा मेडिकल सर्विसेज

कॉरपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से हाल ही में अनेक आवश्यक दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और मशीनों की खरीद के लिए दरें (रेट) तय की गई थीं। अब उन्हीं के तहत राज्य के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में उपकरणों की आपूर्ति आरंभ कर दी गई है। आरती सिंह राव ने बताया कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के सभी स्तरों पर आवश्यक संसाधनों का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक मशीनों के आने से जांच प्रक्रिया और अधिक सटीक एवं तेज होगी, जिससे मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है और आने वाले समय में अन्य जिलों के अस्पतालों में भी नई मशीनें भेजी जाएंगी, ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को समान स्तर की चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

# खरीफ खरीद सीजन में अब तक 9029.39 करोड़ रुपये की अदायगी किसानों के बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित

## हरियाणा की मंडियों से अब तक 48,44,073 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई

**संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा**

**चंडीगढ़।** हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन 2025-26 के दौरान किसानों के खातों में अब तक 9029.39 करोड़ रुपये की अदायगी उनके बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित की जा चुकी है।

इस तरह सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का भुगतान सुनिश्चित किया है। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हितों को देखते हुए सभी निर्धारित अनाज मंडियों में धान की खरीद का कार्य सुचारू रूप से जारी है। उन्होंने कहा कि जिले में हैफेड, वेयर हाउस और फूड एंड सप्लाई एजेंसियों द्वारा धान की खरीद की जा रही है। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि धान की फसल बेचने में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर पंजीकृत किसानों से धान की खरीद की जा रही है। राज्य में अब तक 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल' पर पंजीकृत 2,52,693 किसानों से धान की खरीद की गई है। प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि अब तक राज्य भर की मंडियों में कुल 49,94,349 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हुई है। उन्होंने बताया कि विभिन्न जिलों की मंडियों से अब तक 40,22,926 लाख मीट्रिक टन धान का उठान हो चुका है। अब तक मंडियों से

48,44,073 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है।

उल्लेखनीय है कि राज्य में धान की खरीद भारत सरकार द्वारा धान की खरीद न्यूनतम समर्थन में करती हुए फसल का भुगतान किसानों के बैंक खातों में सीधे तौर पर स्थानांतरित किया जाता है। सरकार द्वारा किसान भाइयों से बार-बार अपील की जा रही है कि वे अपनी फसल की मंडी में अच्छी तरह सुखाकर भारत सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों (जैसे कि नमी 17 प्रतिशत) की सीमा अनुसार लेकर आएं। राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा धान की खरीद के लिए पुख्ता प्रबंध किये हुए हैं और धान के उठान कार्य में भी तेजी लाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा खरीद किये गए धान के भारत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य की अदायगी किसानों के बैंक खातों में सीधे तौर पर स्थानांतरित की जाती है। भारत सरकार द्वारा धान के लिए निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2389 रुपये प्रति क्विंटल में कोई कटौती नहीं की गई है।

# श्री कपाल मोचन-श्री आदि बद्री मेला-2025 की तैयारियां जोरों पर

**एसबी संवाददाता**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के जिला यमुनानगर के धार्मिक स्थल श्री कपाल मोचन-श्री आदि बद्री मेला-2025 की तैयारियां इस समय जोरों पर हैं। प्रशासनिक और विभागीय टीमें लगातार दिन-रात काम में जुटी हैं, ताकि लाखों श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। पूरा मेला क्षेत्र एलईडी लाइटों की रोशनी से जगमगाने को तैयार है, वहीं सुरक्षा और स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आज पवित्र सूरजकुण्ड सरोवर के तट पर विधिवत पूजन कर जल प्रवाह का शुभारंभ किया तथा कैलाश मानसरोवर से लाया गया पवित्र जल श्री सूरजकुण्ड में डाला गया। उन्होंने बताया कि मेले की सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सफाई कार्य पूर्ण कर लिया गया है और धूल-मिट्टी से बचाव के लिए सड़कों पर समय-समय पर पानी का छिडकाव किया जाएगा। श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाने हेतु व्यासपुर से मेला स्थल तक ई-रिक्शा सेवा चलाई जाएगी। इसके साथ ही परिवहन विभाग द्वारा अतिरिक्त बसों की व्यवस्था भी की जा रही है, ताकि हर कोने से आने वाले श्रद्धालुओं को आसानी से पहुंचने की सुविधा मिल सके।

उन्होंने बताया कि बिजली विभाग द्वारा मेले के क्षेत्र में नए खंभे, ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिये गए हैं। स्थाई एलईडी लाइटें लगाकर कपाल मोचन, ऋण मोचन और सूरजकुंड तीनों सरोवरों के आस-पास पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की गई है, जिससे मेला क्षेत्र दिन-रात आलोकित रहेगा। उन्होंने कहा कि यह प्रकाश केवल मेले तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे वर्ष यहां आने वाले लोगों को आकर्षित करता रहेगा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी इस बार प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। पुलिस बल के साथ-साथ 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन कैमरा सिस्टम से पूरे मेला क्षेत्र पर चौकस निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेले में स्थाई, अस्थाई शौचालय, शुद्ध पेयजल, चिकित्सा शिविर, खाद्य सामग्री और दूध की पर्याप्त आपूर्ति, बैरिकेडिंग, सडक मरम्मत और पुलिस प्रबंध जैसे सभी कार्य समय पर पूरे किए जा रहे हैं।

# इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में हरियाणा

## नई ईसीएमएस पॉलिसी के तहत प्रोत्साहन योजनाएं जल्द

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार**

**चंडीगढ़।** हरियाणा केन्द्र सरकार की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) के तहत निवेश आकर्षित कर प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के एक प्रमुख हब के रूप में विकसित करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। इस दिशा में राज्य जल्द ही अपनी ईसीएमएस पॉलिसी के तहत नई प्रोत्साहन योजनाएं शुरू करेगा, जिनमें निवेशकों को वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज यहां एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास को गति देने राज्य में इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने की रणनीतियों की समीक्षा की गई।

नई मसौदा ईसीएमएस पॉलिसी के तहत पूंजीगत एवं परिचालन खर्च की प्रतिपूर्ति, ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स पर व्यय, प्रौद्योगिकी अधिग्रहण, क्षमता निर्माण, अनुसंधान एवं नवाचार सुविधाओं के विकास हेतु समर्थन जैसे अनेक प्रोत्साहन प्रस्तावित हैं।

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य बड़े निवेश आकर्षित करना, रोजगार के नए अवसर सृजित करना और वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स वैल्यू चेन में राज्य की भागीदारी को मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि देश में घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन वर्ष 2015 से अब तक 17 प्रतिशत की कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) से बढ़ा है, जबकि डिजाइन और कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम अभी विकास के शुरूआती चरण में है।

वर्तमान में हरियाणा देश के कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में लगभग 2.9 प्रतिशत (0.8 बिलियन यूएसडी) का योगदान दे रहा है और इस क्षेत्र में लगभग 1.3 मिलियन रोजगार का सहयोग करता है। श्री रस्तोगी ने कहा कि लक्षित नीतिगत

सहयोग, रणनीतिक निवेशक सहभागिता और आईएमटी सोहना में प्रस्तावित इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर जैसे सक्षम बुनियादी ढांचे के निर्माण से राज्य के योगदान को बढ़ाने की अपार सम्भावनाएं हैं।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि केन्द्र सरकार की ईसीएमएस योजना के अंतर्गत कई तरह के लाभ दिए जाते हैं। इनमें 1 से 25 प्रतिशत तक टर्नओवर-लिंक्ड और पूंजी निवेश आधारित लाभ शामिल हैं। आंध्र प्रदेश, गुजरात और उत्तर प्रदेश जैसे प्रगतिशील राज्यों की तर्ज पर हरियाणा अतिरिक्त टॉप-अप इंसेंटिव देने की संभावनाएं तलाश रहा है, ताकि ईसीएमएस-अनुमोदित निवेशकों को आकर्षित करने के लिए राज्य की प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति और मजबूत हो सके।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को इस संबंध में विस्तृत योजना तैयार करने और तत्परता से निवेशकों से संपर्क साधने के निर्देश दिए। इसके तहत 10 नवंबर तक उन 11 आवेदकों के साथ द्विपक्षीय बैठकें की जाएंगी, जिन्होंने प्रदेश में ईसीएमएस-अनुमोदित मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स स्थापित करने में रुचि दिखाई है। इसके अतिरिक्त, 50 अन्य कंपनियों से भी संपर्क किया जाएगा, जिन्होंने अभी तक अपनी परियोजना का स्थान निर्धारित नहीं किया है।

बेहतर समन्वय और निवेशक सुविधा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार प्रत्येक संभावित निवेशक के लिए समर्पित रिलेशनशिप मैनेजर नियुक्त करेगी। ये अधिकारी भूमि की पहचान, नियामक स्वीकृतियों, विभागीय समन्वय और इंसेंटिव प्रक्रिया से जुड़ी सहायता प्रदान करेंगे।

मुख्य सचिव ने कहा कि हरियाणा का दृष्टिकोण सुविधाजनक एवं प्रतिस्पर्धात्मक, दोनों तरह का होगा ताकि राज्य में उन्नत इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों की स्थापना के लिए अनुकूल इकोसिस्टम विकसित हो सके। बैठक में नागरिक संसाधन सूचना विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती जी. अनुपमा तथा उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक श्री यश गर्ग सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

# एमडीयू में पीएचडी दाखिले की प्रक्रिया शुरू

**संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा**

**चंडीगढ़।** महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) रोहतक के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने सत्र 2025-26 के लिए पीएचडी पाठ्यक्रम का प्रॉस्पेक्टस जारी किया। इस सत्र में विभिन्न विषयों में कुल 457 सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 7 नवंबर तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में पीएचडी दाखिले की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और मेरिट आधारित होगी। हम शोध की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि प्रत्येक शोधार्थी को आधुनिक संसाधन, उचित मार्गदर्शन और प्रेरणादायक वातावरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने आगे बताया कि विश्वविद्यालय शोध के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए नई शोध नीतियों, उन्नत प्रयोगशालाओं और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के अवसरों पर भी कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि एमडीयू शोध के क्षेत्र में राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अग्रणी संस्थानों में शामिल हो।